preceding years;

(b) if so, the main reasons for this decline in industrial growth, indicating sector-wise growth showing comparative figures of production and growth for the two consecutive years; and

(c) what steps have been and are being taken to step up industrial growth?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI MURASOLI MARAN): (a) to (c) As per the quick index of industrial production, the overall industrial growth in 1996-97 was 6.7% as compared to 11.6% in 1995-96. Sector-wise growth in industrial production is indicated below:—

Industrial growth (%)

| Sector | Growth Rates (1995-96) | Growth Rates (1996-97) |
|---|---|---|
| Mining | 7.4 | 1.2 |
| Electricity | 8.1 | 3.8 |
| Manufacturing | 12.9 | 8.0 |
| Overall | 11.6 | 6.7 |

Decelaration in industrial growth has been mainly due to under performance in crude petroleum, power and consumer durable sectors. Sector specific strategies had already been initiated to remove some of the constraints in the under performing sectors. The Credit Policy announced by RBI is also expected to provide further impetus to industrial growth. Government has also taken initiatives in Union Budget, 1997-98 for further improving investment climate and to remove infrastructure bottlenecks for accelerated industrial growth.

**पेटेंट कानून के क्षेत्र में अमरीकी एकाधिकार**

507. **श्री भगवान माझी:** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि विश्व के 95 संगठनों ने पेटेंट कानूनों के आधार पर बौद्धिक संपदा अधिकारों के क्षेत्र में अमरीका के एकाधिकार के विरुद्ध उसे चेतावनी दी है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में भारत की क्या स्थिति है;

(ग) उन भारतीय उद्योगों के क्या-क्या नाम हैं जिन पर संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा प्रतिबंध लगाए गए हैं; और

(घ) ऐसे प्रतिबंधों के संबंध में भारत सरकार द्वारा अब तक क्या कार्यवाही की गई है तथा आगे कौन-कौन से कदम उठाए जाने का प्रस्ताव है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उद्योग मंत्री (श्री मुरासोली मारन):** (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

**उद्योग शून्य जिला घोषित करने के लिए नियम**

508. **श्री ईश दत्त यादव:**
**श्री नागमणि:**

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) किसी क्षेत्र को उद्योग शून्य जिला घोषित करने के लिए क्या नियम हैं;

(ख) आज की स्थिति के अनुसार राज्य-वार उद्योग शून्य जिलों के नाम क्या-क्या हैं; और

(ग) इन उद्योग-शून्य जिलों में उद्योग स्थापित करने के लिए क्या उपाए किए जा रहे हैं?

**उद्योग मंत्री (श्री मुरासोली मारन):** (क) जिला उद्योग केन्द्र कार्य योजना 1979-80 के अनुसार जिन जिलों में कोई मझौले या बड़े उद्योग नहीं थे उनकी "उद्योग विहीन जिला" के रूप में पहचान कर ली गई थी। सम्पूर्ण देश में "उद्योग विहिन जिला" के रूप में कुल 93 जिलों का पता लगाया गया था।

(ख) और (ग) उद्योग मंत्रालय का उद्योग विहीन जिला की सूची को पुनः निकालने का कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, कर प्रोत्साहनों के प्रयोजनार्थ पिछड़े क्षेत्रों/जिलों का पता लगाने की प्रक्रिया वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के विचाराधीन है।

**Indian machine tool manufacturing industry**

509. SHRI GOVINDRAO ADIK: Will the Minster of INDUSTRY be pleased to state: